मैं नहीं, मेरा नहीं .....

मैं नहीं, मेरा नहीं, यह तन किसी का है दिया ।
जो भी अपने पास है, वह धन किसी का है दिया ।।
मैं नहीं, मेरा नहीं....

देने वाले ने दिया, वह भी दिया किस शान से ।
'मेरा है' यह लेने वाला, कह उठा अभिमान से ।
'मेरा है' यह कहने वाला, मन किसी का है दिया ।।
मैं नहीं, मेरा नहीं....

जो मिला है वह हमेशा, पास रह सकता नहीं ।
कब बिछुड़ जाये यह कोई, राज कह सकता नहीं ।
ज़िन्दगानी का खिला मधुवन किसी का है दिया ।।
मैं नहीं, मेरा नहीं....

जग की सेवा खोज अपनी, प्रीति उनसे कीजिये ।
ज़िन्दगी का राज़ है यह जानकर जी लीजिये ।
साधन की राह पर साधन किसी का है दिया ।।
मैं नहीं, मेरा नहीं....

ज्ञान समागम प्रेम सुख, दया भक्ति विश्वास।
गुरु सेवा ते पाइये, सद्गुरु चरण निवास।।